

धरती आवा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ



न्यूज डायरी

अमन श्रीवास्तव को पेशी के बाद जेल भेजा गया

रांची। एटीएस ने गैरस्टर अमन श्रीवास्तव को छह दिन के पूछताछ के बाद बुधवार को कोर्ट में पेश किया। एटीएस के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में अमन की पेशी हुई। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया। एटीएस ने 19 मई को पूछताछ के लिए अमन श्रीवास्तव को रिमांड पर लिया था। अमन श्रीवास्तव की गिरफ्तारी 16 मई को महाराष्ट्र एटीएस के सहयोग से की गयी थी।

उप मुखिया ने भाजपा नेता समेत चार को दांत काटा

मेदिनीनगर। तरहसी थाना क्षेत्र के सेलारी में तिलक समारोह में आर्केस्ट्रा प्रोग्राम के दौरान जमकर मारपीट हुई। इस दौरान उप मुखिया रंजीत शर्मा ने भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष करण शर्मा समेत चार लोगों को दांत से काट कर जखमी कर दिया।

सुकमा में दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। सुकमा में पुलिस एवं सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष बिना हथियार के दो नक्सलियों ने बुधवार को आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण नक्सली वादियों में शामिल थे। वहीं उक्त नक्सली शासन के पुनर्वास नीति का प्रचार-प्रसार व जिला पुलिस सुकमा द्वारा चलाये जा रहे अभियान से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण किया।

एसीबी ने चार हजार घूस लेते बीएएम को दबोचा

रांची। एसीबी ने चतरा जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटखोरी के ब्लॉक एकाउंट मैनेजर (बीएएम) शंभु कुमार रवि को चार हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि शंभु कुमार रवि के खिलाफ इटखोरी लोरम निवासी पन्ना लाल राणा ने लिखित शिकायत की थी। बीएएम ने ममता वाहन के बिल भुगतान के लिए चार हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। पूर्व में इनके द्वारा गहन जन स्वस्थ सर्व 2021 योजना के तहत प्रचार प्रसार का कार्य किया गया था। इसका बिल दो वर्षों से लंबित है।

इडी कोर्ट से छवि रंजन की याचिका खारिज

रांची। जमीन घोटाळा मामले में निलंबित आईएएस छवि रंजन की याचिका इडी कोर्ट ने खारिज कर दी है। आईएएस छवि रंजन ने याचिका दायित्व कोर्ट में पत्नी और बच्चों से समाह में दो दिन मिलने की इजाजत मांगी थी लेकिन इडी कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट ने उन्हें अनुमति देने से इंकार कर दिया है। छवि रंजन पत्नी-बच्चों से जेल में मुलाकात के मुताबिक ही मिल पायेंगे।

रिटायर्ड वलक, कम्प्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार

कोडरमा। जिले में छात्रों को अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति देने के नाम पर डेढ़ करोड़ से अधिक के घोटाले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में कल्याण विभाग के रिटायर्ड वलक मो. मोहिन और कम्प्यूटर ऑपरेटर मो हेदर का नाम शामिल है। अल्पसंख्यक छात्रों को भारत सरकार की ओर से दिए जाने वाले छात्रवृत्ति का लगभग 1.5 करोड़ रुपए गबन मामले में कल्याण पदाधिकारी नीली सरोज कुजूर ने कोडरमा थाना में दिसम्बर 2022 में प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

गहना आभूषण
बोना (बिक्री) : 57,700 रु./10 बाल
वांछी : 76,000 रु. प्रति बिक्री

राष्ट्रपति ने झारखंड को सौंपा हाइकोर्ट का नया अत्याधुनिक भवन, कहा सही न्याय मिले, नहीं तो दुखी होते हैं लोग

सिटी चीफ, खबर मन्त्र

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को राजधानी रांची के तिरिल में झारखंड हाइकोर्ट के नये और अत्याधुनिक भवन का उद्घाटन रिमोट का बटन दबाकर किया। इस अवसर पर द्रौपदी मुर्मू ने आम, गरीब, मजबूर लोगों के न्याय से जुड़ी बातें की। उन्होंने कहा कि यहां पर सरकार, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया, चीफ जस्टिस ऑफ झारखंड के साथ देश के बहुत सारे विद्वान बैठे हैं। बहुत से केस हाईकोर्ट में फाइल होते हैं। बहुत से केस का फैसला सुप्रीम कोर्ट से आता है। जिनके पक्ष में फैसला आता है, वे खुश होते हैं। 5-10 या 20 साल के बाद उनकी खुशी गायब हो जाती है, क्योंकि जिसके लिए वे खुश थे, वो उनको मिलता ही नहीं। जिसके लिए समय, रुपये और रातों की नींद बर्बाद कर दी, वो खुशी उन्हें नहीं मिलती, तो वे फिर से दुखी हो जाते हैं। बहुत सारे लोग देवारा, अदालत नहीं जाना चाहते हैं क्योंकि लम्बा वक्त लगता है। लम्बा वक्त सोच कर ही जाने से डर जाते हैं, मुझे पता नहीं उसका रास्ता है या नहीं। वैसे लोगों को सही न्याय मिलना चाहिए, आखिर वो लोग जायें तो कहां जायें। आपलोग इसका रास्ता निकालिये, कानून बनाना पड़े तो बनाइये, लेकिन यह सुनिश्चित होना चाहिए कि लोगों को न्याय मिले। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं एक छोटे-से गांव से

आयी हूँ। मैं फैमिली काउंसिलिंग सेंटर की सदस्य थी। कुछ केस फाइल होने के बाद हम उनके घर जाते थे। यह देखने के लिए कि जिस केस को हमने फाइल किया, वह परिवार ठीक है या नहीं। बहुत से लोग अपने कोर्ट से अपने पक्ष में आये फैसले लेकर मेरे पास आते थे कि फैसला तो हमारे पक्ष में आ गया, लेकिन हमें न्याय नहीं मिला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मुझे नहीं मालूम कि सुप्रीम कोर्ट के आगे कुछ होता है। मैं यह भी नहीं जानती कि ऐसे लोगों का कुछ हो सकता है या नहीं। उन्होंने नये हाईकोर्ट भवन की प्रशंसा की। राष्ट्रपति बुधवार को तीन दिवसीय दौरे पर झारखंड आयी है।

न्याय व्यवस्था को आमजन तक पहुंचाना होगा : जस्टिस चंद्रचूड़

इसके पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्याय व्यवस्था को नागरिकों तक पहुंचाना होगा। हिंदी में भाषण देते हुए सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा कि न्यायपालिका के भवन का विस्तार होने से न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बढ़ती है। भारतीय न्यायिक अपने वादों (मुकदमों) को लेकर न्यायपालिका के द्वार में प्रवेश करते हैं, तब उनकी आस्था को कायम रखना हम सबका उत्तरदायित्व है। सर्वोच्च न्यायालय के 7 साल के निजी अनुभव में मुझे न्याय और अन्याय की छवि का एहसास हुआ है। सजा होने के पहले हजारों नागरिक छोटे अपराध के लिए कारागृहों में बंद रहते हैं। अक्सर महीनों या सालों तक। न उनके पास साधन हैं, न साक्षरता। अगर न्यायपालिका से शीघ्र उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तो उनका भरोसा कैसे कायम होगा।



वरीय न्यायिक सेवा में हो आरक्षण का प्रावधान : सीएम

इस मौके पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वरीय न्यायिक सेवा में आरक्षण के प्रावधान की अपील न्याय पालिका से की। उन्होंने कहा कि झारखंड हाईकोर्ट की यह बिल्डिंग प्रदेश की करोड़ों जनता के लिए गौरव का क्षण है। करीब 600 करोड़ की लागत से 165 एकड़ में झारखंड हाईकोर्ट भवन का निर्माण हुआ है। उम्मीद है झारखंड के आदिवासी, गरीब जनता को सरल, सुगम तथा तीव्र न्याय मिलेगा। उन्होंने बताया कि किस तरह सरकार लंबे समय से लंबित मुकदमों का तेजी से निबटारा कर रही है। सीएम ने कहा कि

सबऑर्डिनेट ज्यूडिशियरी में झारखंड की स्थिति देश में सबसे बेहतर है। इस मौके पर केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने भी संबोधित किये। मंच पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अनिरुद्ध बोस मौजूद थे। स्वागत भाषण झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्र ने दी। इस अवसर पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश, विधानसभा अध्यक्ष, झारखंड सरकार पदाधिकारी और बार एसोसिएशन के सदस्य, न्यायिक पदाधिकारी व बड़ी संख्या में अधिकवक्ता मौजूद थे।

बाबा से राष्ट्रपति ने देश की सुख-समृद्धि मांगी

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड के तीन दिनी दौरे दौरे के पहले दिन बुधवार की सुबह महादेव की नगरी देवघर पहुंची। षोडशोपचार विधि से राष्ट्रपति से बाबा बैधनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने बाबा भोलेनाथ से झारखंड समेत देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इससे पूर्व वायुसेना के विशेष विमान से पहुंची राष्ट्रपति का राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने गुलदस्ता दे कर उनका स्वागत किया। पेयजल मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने मंदिर श्राईन बोर्ड की तरफ से अंग वस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान यहां सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था थी। बाबा नगरी आनेवाली द्रौपदी मुर्मू चौथी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद तथा दो बार, प्रणव मुखर्जी एवं रामनाथ कोविंद भी यहां आ कर पूजा-अर्चना कर चुके हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के स्वागत में राज्यपाल के साथ केन्द्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे समेत तमाम अधिकारी मौजूद थे।

खाई में गिरा वाहन, झारखंड के दो समेत सात लोगों की मौत

एजेंसी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के दूरदराज दचन इलाके में डोंगडुर्ग बिजली परियोजना स्थल के पास बुधवार की सुबह कर्मचारियों को ले जा रहा एक वाहन भारी बारिश में सड़क से फिसल कर पहाड़ी से नीचे खाई में जा गिरा। इस हादसे में झारखंड के दो एतवा और राहुल समेत सात लोगों की मौत हो गयी। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घटना की जानकारी के बाद केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने वहां के डीसी यादव से सड़क हादसे के बारे में बात की। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सात लोगों की मौत हो गयी है। घायलों को आवश्यकता के अनुसार जिला

भारी बारिश से जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में हुआ हादसा

असताल किश्तवाड़ या जीएएमसी डोडा में स्थानांतरित किया जा रहा है। हर संभव मदद प्रदान की जायेगी। किश्तवाड़ के डीसी देवांश यादव ने बताया कि इलाके में भारी बारिश के दौरान दुर्घटना हुई। एसएसपी खलील अहमद पोखल ने बताया कि मृतकों की पहचान डोडा जिले के किश्तवाड़ निवासी अख्तर हुसैन, पंचराठी निवासी अख्तर हुसैन, बंजवार किश्तवाड़ निवासी अब्दुल राशिद, डोडा निवासी मुबस्सर अहमद, झारखंड निवासी इतवा और राहुल तथा किश्तवाड़ निवासी करण कुमार के रूप में हुई है।

बंगाल को हरा झारखंड क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

रांची। हॉकी झारखंड ने पश्चिम बंगाल को छह- एक से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है। ओडिशा के राउरकेला में बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित 13 वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप में बुधवार को खेले गये अपने दूसरे मैच में हॉकी झारखंड ने हॉकी पश्चिम बंगाल को छह- एक गोल से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी। इससे पूर्व झारखंड ने हॉकी हिमाचल को 18- 00 से पराजित किया था। झारखंड टीम की ओर से फगुवा होरो ने दो गोल किए जबकि विक्रम सोरेंग, निकोस टोपनो, जोलेन टोपनो और अंकित एक्का ने एक-एक गोल किये। झारखंड टीम के झारखंड टीम के कप्तान रोहित तिकी को बेस्ट प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

खूंटी में आज महिलाओं से सीधा संवाद करेंगी राष्ट्रपति

केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा व राज्यमंत्री रेणुका सिंह भी करेंगी शिरकत

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और सीएम हेमंत सोरेन रहेंगे मौजूद

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को झारखंड के खूंटी जिले के बिरसा मुंडा कॉलेज स्टेडियम में महिला स्वयं सहायता समूह के साथ सीधा संवाद करेंगी। राष्ट्रपति के खूंटी आगमन को लेकर महिलाएं काफी उत्साहित हैं। सीधा संवाद में महिलाएं अपनी आपबीती सुनाएंगी। अपने कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति एसएचजी महिलाओं से मुखातिब होंगी। कार्यक्रम में जिले के सभी प्रखंडों से लगभग 30-35 हजार

ट्रिपल आईटी के 120 विद्यार्थियों को देंगी दीक्षा

रांची। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) के दूसरे दीक्षा समारोह में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सभी विषयों के टॉपर्स को गोल्ड व सिल्वर मेडल देकर सम्मानित करेंगी। इस दौरान वह संस्थान के 120 विद्यार्थियों को दीक्षा देंगी। इस समारोह में बीटक व एमटेक के 2019-23 बैच के करीब 120 विद्यार्थियों के बीच डिग्री दी जायेगी। समारोह में बीटक के 2 ब्रांच कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल एंड कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग के टॉपर विद्यार्थियों के बीच एक-एक गोल्ड व एक-एक सिल्वर मेडल दिया जाएगा। वहीं, एमटेक के दो ब्रांच- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विद स्पेशलाइजेशन इन एंबेडेड सिस्टम एंड आईओटी-के टॉपर्स को एक-एक गोल्ड मेडल दिया जाएगा। इसके अलावा एक बेस्ट गर्ल स्टूडेंट मेडल, एक इंस्टीट्यूट मेडल और एक बेस्ट स्टूडेंट शीलड भी प्रदान किया जाएगा। पहले यह दीक्षा समारोह जून में होने वाला था, लेकिन राष्ट्रपति के मई में झारखंड आगमन को देखते हुए इसे पहले ही किया जा रहा है। इस समारोह में सभी विषयों के टॉपर्स को गोल्ड व सिल्वर मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा।

महिलाएं राष्ट्रपति को सुनने सुबह 9 बजे ही बिरसा कॉलेज मैदान में जुटेंगी। समारोह में केन्द्रीय मंत्री अर्जुन

बागेश्वर बाबा को मिली वाई कैटेगरी की सुरक्षा

एजेंसी

रांची। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) के दूसरे दीक्षा समारोह में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सभी विषयों के टॉपर्स को गोल्ड व सिल्वर मेडल देकर सम्मानित करेंगी। इस दौरान वह संस्थान के 120 विद्यार्थियों को दीक्षा देंगी। इस समारोह में बीटक व एमटेक के 2019-23 बैच के करीब 120 विद्यार्थियों के बीच डिग्री दी जायेगी। समारोह में बीटक के 2 ब्रांच कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल एंड कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग के टॉपर विद्यार्थियों के बीच एक-एक गोल्ड व एक-एक सिल्वर मेडल दिया जाएगा। वहीं, एमटेक के दो ब्रांच- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विद स्पेशलाइजेशन इन एंबेडेड सिस्टम एंड आईओटी-के टॉपर्स को एक-एक गोल्ड मेडल दिया जाएगा। इसके अलावा एक बेस्ट गर्ल स्टूडेंट मेडल, एक इंस्टीट्यूट मेडल और एक बेस्ट स्टूडेंट शीलड भी प्रदान किया जाएगा। पहले यह दीक्षा समारोह जून में होने वाला था, लेकिन राष्ट्रपति के मई में झारखंड आगमन को देखते हुए इसे पहले ही किया जा रहा है। इस समारोह में सभी विषयों के टॉपर्स को गोल्ड व सिल्वर मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित कई लोग मौजूद रहेंगे। बिरसा कॉलेज स्टेडियम में महिलाएं पारंपरिक वेश भूषा से सुसज्जित नृत्य के साथ राष्ट्रपति का स्वागत करेंगी। इस दौरान राष्ट्रपति जिले की महिलाओं को संबोधित भी करेंगी। राष्ट्रपति जिले की 22 चयनित एसएचजी की महिलाओं से सीधा संवाद भी करेंगी, जिनमें अलग अलग क्षेत्रों में बेहतर काम करने वाली और सामाजिक कुरीतियों से लड़कर आगे बढ़ने वाली महिलाएं अपनी आपबीती राष्ट्रपति को सुनाएंगी। जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम द्वारा एसएचजी सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस दौरान राष्ट्रपति लाइव डेबो बूथ और स्टाल का दौरा भी करेंगी।

लोहरदगा, गुमला, पलामू के संप्रेषण गृह में रह रहे बच्चों ने किया कमाल मैट्रिक, इंटर परीक्षा में फर्स्ट डिवीजन लाकर राह दिखायी

बच्चों ने जाहिर की आगे की पढ़ाई की इच्छा, मिल गयी टीचर

कुबेर सिंह

रांची। कहते हैं, मन में ठान लो तो पहाड़ को भी काट कर सुगम राह बनाया जा सकता है। ऐसे ही जुनूनी प्रतिभा के धनी निकले गुमला, लोहरदगा, पलामू संप्रेषण गृह के बच्चे। कभी हाथों में हथियार लेकर घूमने वाले और अपराध को अंजाम देनेवाले बच्चे एक दिन अपने अतीत को भूलकर एक नया आयाम गढ़ेंगे। संप्रेषण गृह (बाल सुधार गृह) के अधिकारियों ने भी नहीं सोचा होगा। जी हां, लोहरदगा, गुमला, पलामू के संप्रेषण गृह के 18 बच्चों ने आयोजित मैट्रिक व इंटर की परीक्षा में प्रथम श्रेणी व द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण होकर एक नया कीर्तिमान गढ़ दिया। पुलिस अभिरक्षा में इन बच्चों ने कलम और किताब से दोस्ती की और आज वे शिक्षित हो



कैद भी नहीं बन पायी शिक्षा में रुकावट

गये। मैट्रिक की परीक्षा में फर्स्ट शामिल हैं, जबकि लोहरदगा संप्रेषण गृह के दो बच्चों ने सेकेड

पोक्सो एक्ट में संप्रेषण गृह में विधि संपर्क बच्चों की पढ़ाई अपराध की वजह से अधूरी रह गयी थी। बच्चों ने खुद को शिक्षित होने की लालसा जगी। सकुचाते हुए बच्चे संप्रेषण गृह के अधिकारियों के पास गये। उनलोगों ने अधिकारियों से पढ़ने और एग्जाम लिखने की इच्छा जतायी। अधिकारियों ने बच्चों की इच्छा का मान रखते हुए न सिर्फ उन्हें फार्म फिलअप करने के लिए कहा, बल्कि उनकी अच्छे से तैयारी हो, इसके लिए संप्रेषण गृह में एक टीचर की भी नियुक्ति कर दी। टीचर सोनी प्रतिभा टोप्यो ने न सिर्फ बच्चों में पढ़ाई का लालक जगायी, बल्कि कदम-कदम पर उनका साथ भी दिया। पुलिस अभिरक्षा में बच्चों ने एग्जाम लिखा। बच्चों के मेहनत करने करने गुमला संप्रेषण गृह के गृहपति अविनाश गिरि और लोहरदगा जेजे बोर्ड के मेंबर कौशल किशोर की भूमिका अहम रही।

कैद भी नहीं बन पायी शिक्षा में रुकावट

बाल अपराधियों को संप्रेषण गृह में रखा जाता है, क्योंकि इन बच्चों को किसी-किसी अपराध में यहां लाया जाता है। संप्रेषण गृह में कानून का उल्लंघन कर अपराध करने वाले बच्चों को रखा जाता है। पर, इन बच्चों के हौसले ने न सिर्फ अधिकारियों के मनोबल को हाई किया है, बल्कि बच्चे भी अब शिक्षित नागरिक बन कर जीवन जीने की कसमें खा रहे हैं।

मिटाया, बल्कि मां-पिता में एक आस भी जगा दी।



जैक 10वीं की स्टेट टॉपर व जिला के तीनों टॉपर समेत उनके माता-पिता को किया गया सम्मानित

पूर्वी सिंहभूम के शत प्रतिशत रहा जिले के आवासीय विद्यालयों का रिजल्ट एसडीएम धालभूम, निदेशक डीआरडीए सभी ने टॉपर्स को दिया आशीर्वाचन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में आयोजित जिला स्तरीय सम्मान समारोह में खंड 10वीं की स्टेट टॉपर श्रेया सोनगिरी, जिला के टॉपर में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले कुणाल पाल एवं तीसरे स्थान पर रहें सोनल कुमारी को उपायुक्त विजया जाधव एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बच्चों के माता पिता को भी शॉल ओढ़ाकर एवं चुके देकर सम्मानित किया गया। समारोह में एसडीएम धालभूम पीयूष सिन्हा, निदेशक डीआरडीए सौरभ सिन्हा, एडीसी जयदीप तिग्गा, निदेशक एनईपी ज्योत्सना सिंह, डीटीओ दिनेश रंजन, डीपीओ अरुण

आपने अपनी उपलब्धि से जिले का मान बढ़ाया, आप सभी पर गर्व है : उपायुक्त



श्रेया के पिता को सम्मानित करती डीसी। साथ में श्रेया और उसकी माताजी। कुणाल पॉल को सम्मानित करते डीआरडीए के निदेशक सोरव कुमार। करती डीसी विजया जाधव। साथ में एसडीएम पियूष सिन्हा।

द्विवेदी, स्थापना उप समाहर्ता अभिषेक कुमार, डीईओ निर्मला खरेलिया, डीएसई निशु कुमारी समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मियों मौजूद रहे। उपायुक्त ने सभी टॉपर्स को आशीर्वाचन देते हुए कहा कि आपको इस

उपलब्धि ने जिले का गौरव बढ़ाया है, आगे नित नई ऊचाइयों को छुएं ऐसी शुभकामना है। समाचारों में बेटियां ही छाई हुई हैं, बेटियां मौजूद रहे। उपायुक्त ने सभी टॉपर्स को समाज अच्छे दिशा में जा रहा। उन्होंने कहा

कि स्टेट व जिला के टॉपर से यह मिथ्या भी टूटा है कि शहर या अग्रिजी माध्यम के बच्चे ही अच्छा कर सकते हैं। उन्होंने सभी प्राचार्य, शिक्षक, निजी विद्यालयों के शिक्षक जिन्होंने मांडल सेट बनाने में जिला प्रशासन का

सहयोग किया तथा उन सभी पदाधिकारी व शिक्षक जिन्होंने मासिक मूल्यांकन परीक्षा की कॉपी जांची तथा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जिले के बेहतर रिजल्ट में अपना योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार एवं

धन्यवाद प्रकट किया। इस अवसर पर अन्य सभी पदाधिकारियों ने भी तीनों टॉपर बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें देते हुए इस उपलब्धि पर बधाई दी। मौके पर टॉपर बच्चों के माता-पिता ने भी अपनी बात

तीन केजीबीवी व एक जेबीएवी के सभी बच्चों ने फर्स्ट डिविजन से पास किया परीक्षा
जैक 10वीं की बोर्ड परीक्षा में जिले के सभी आवासीय विद्यालय का बेहतर प्रदर्शन रहा। सभी 09 केजीबीवी व 02 जेबीएवी से इस वर्ष 682 छात्र-छात्राओं में से 681 छात्राओं ने परीक्षा दिया। (एक छात्रा चैक होने की वजह से 02 टॉपर नहीं दे पाई) जिसमें 619 छात्र-छात्राये फर्स्ट डिविजन एवं 62 छात्रों ने सेकेंड डिविजन से परीक्षा पास किया। केजीबीवी पोटाका, केजीबीवी धालभूमगाड, केजीबीवी बहरागोडा तथा झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय गुवादादा के सभी बच्चों ने फर्स्ट डिविजन से परीक्षा पास किया। उपायुक्त ने इस उपलब्धि पर शिक्षा विभागीय पदाधिकारी, शिक्षक, वार्डन आदि को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि निश्चित ही यह गर्व का पल है जहां आवासीय विद्यालय में रहने वाले बच्चे पूरी तरह से प्रशासन की देखरेख में रहते हैं, सभी से अच्छे रिजल्ट की भी अपेक्षा थी जिसे उन्होंने पूरा भी किया।

रखी एवं जिला स्तरीय सम्मान समारोह के लिए प्रशासन को धन्यवाद दिया।



झूम कर नाचे खेसारीलाल यादव, की जमकर मस्ती



नये अलवम मुख्या में खेसारीलाल।

जमशेदपुर। भोजपुरी भाषा, फिल्म और गानों के विकास के लिए शुरू हुआ सांसारिका खेसारी नाईट का कारनावा बुधवार को जमशेदपुर पहुंचा, जहां भोजपुरी अभिनेता और टीवी मशीन के नाम से मशहूर खेसारीलाल यादव ने दर्शकों को अपने गानों पर झूमने को मजबूर कर दिया। सांसारिका खेसारी नाईट में खेसारीलाल यादव भी झूमकर नाचे और वहां मौजूद अपने फैंस को भी खूब नचाया। इससे पहले यहां उन्होंने अपना आज रिलीज हुआ गाना मुख्या का भी प्रमोशन किया और कहा कि दर्शकों के प्यार और आशीर्वाद ने हमें आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। उम्मीद है हमारे नए गाने को भी खूब सफल बनाये। मौके पर खेसारीलाल यादव ने सांसारिका खेसारी नाईट की भी सराहना की और झारखंड के शहर जमशेदपुर को लेकर कहा कि जमशेदपुर जितना खूबसूरत जगह है, उतने ही प्यारे लोग हैं यहां। अगर देखा जाए तो फिल्मों के शूटिंग के लिहाज से यह जगह परफेक्ट है और यहां के प्राकृतिक छटा इस जगह को फिल्म सिटी जैसा एहसास कराता है। यहां जल, जंगल, जमीन, नाले, सड़क, खूबसूरत आसमान, वर्ल्ड क्लास सुविधाएं जैसी हर वो चीज है, जो फिल्म सिटी में होनी चाहिए। बस जरूरत है कि यहां सरकार से फिल्म भौतिक के लिए थोड़ी मदद मिल जाए, फिर इस शहर से भी अच्छी फिल्में बनकर निकलेंगी और दुनिया में इस लोकेशन को देखा जाएगा। इसके साथ ही यह स्थानीय कलाकारों और तकनीशियनों के साथ अन्य लोगों के लिए रोजगार का भी सृजन करेगा। यहां की आवाहवा हम फिल्मकारों को खूब लुभाती है। वहीं, मशहूर म्यूजिक कंपनियों सांसारिका हम भोजपुरी के जिनसे हेड ने बनाया कि सांसारिका खेसारी नाईट की परिलक्षणा भोजपुरी भाषा, भोजपुरी फिल्में और भोजपुरी गानों के विकास से जुड़ी हुई है। इस नाईट का जमशेदपुर में आयोजन के पीछे हमारा मुख्य उद्देश्य भोजपुरी भाषा, गानों और फिल्मों को आगे बढ़ाना व झारखंड में फिल्मों के प्रति जागरूकता लाने का है।

अब चाकुलिया में रुकेगी शालीमार-एलटीटी

जमशेदपुर। सांसद विद्युत वर्ण महतो के प्रयास ने एक बार पुनः रंग लाया। उल्लेखनीय है कि सांसद महतो शालीमार लोकमान्य तिलक टर्मिनस ट्रेन संख्या 18029/18030 के चाकुलिया में ठहराव की मांग कर रहे थे। इस संबंध में पूर्व में भी रेलवे बोर्ड को पत्राचार किया गया था साथ ही रेलमंत्री के सचिव वैद्यकाश से इस संबंध में कई बार बात हुई थी। उन्होंने सांसद महतो को आश्चर्य किया था कि इस मांग को पूरा किया जाएगा। कल पुनः दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक के साथ बैठक में इस बात पर जोर दिया था की चाकुलिया एवं आसपास के यात्रियों के लिए इस ट्रेन का ठहराव वहां पर आवश्यक है।

सभी प्रखंडों में श्रम विभाग लगायेगा मजदूरों के लिए जनता दरबार

नवंबर तक सभी सरकारी विद्यालयों का हो जायेगा विद्युतीकरण सांसद की अध्यक्षता में हुई जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक माननीय सांसद, जमशेदपुर विद्युत वर्ण महतो की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विधायक घाटशिला रामदास सोरेन, विधायक बहरागोडा समीर महती व अन्य विधायकगण के प्रतिनिधि, जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा,



बैठक की अध्यक्षता करते सांसद विद्युतवर्ण महतो। साथ में डीसी विजया जाधव, विधायक रामदास सोरेन व अन्य पदाधिकारीगण।

प्रखंडों के प्रमुख, उपायुक्त विजया जाधव, डीएफओ ममता प्रियदर्शी समेत अन्य विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिला के विभिन्न समस्याओं एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न

मिशन, स्वास्थ्य सुविधाओं आदि को लेकर विशेष चर्चा हुई। बिजली विभाग के जीएम ने सदन को बताया कि वर्तमान में किसी भी स्थान पर कोई ट्रांसफॉर्मर जला हुआ नहीं है, ग्रामीण क्षेत्र में 48 घंटे तथा शहरी क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर ट्रांसफॉर्मर बदला जा रहा। बैठक में केजीबीवी डुमरिया के जलमीनार में सोलर प्लेट बदलने होने तथा मोटर बदलने की बात सामने आई जिसपर माननीय सांसद द्वारा सांसद मद से मरम्मतकरण की स्वीकृति दी गई। चाकुलिया प्रखंड में प्राथमिक विद्यालय चिवाबांधी एवं बगडुबा में पेयजल समस्या को लेकर विधायक बहरागोडा द्वारा विधायक मद से समाधान की

स्वीकृति दी गई। प्रधानमंत्री आवास में जिले की उपलब्धि संतोषजनक पाई गई। उपायुक्त द्वारा मजदूरों की समस्या के समाधान को लेकर श्रम विभाग को सभी प्रखंडों में जनता दरबार लगाने का निर्देश दिया गया। प्रत्येक बुधवार को एक-एक प्रखंड में जनता दरबार लगेगा। साथ ही सभी पदाधिकारियों को विभागीय नंबर उपयोग करने का निर्देश दिया गया ताकि उनके स्थानांतरण होने पर नए पदाधिकारी से संपर्क करने में जनप्रतिनिधियों या अन्य लोगों को समस्या नहीं आए। विशेष पदाधिकारी जेएनएसी को 15 जून को आवास मेला लगाते हुए शहरी आवास योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया गया ताकि

योग्य लाभुकों को आवास योजना की जानकारी हो सके एवं वे लाभान्वित हो सके। बैठक में सभी तकनीकी विभागों, एनएचएआई, मोबाइल नेटवर्क की समस्या पर भी विमर्श कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर निदेशक डीआरडीए सौरभ सिन्हा, अपर उपायुक्त जयदीप तिग्गा, ग्रामीण विकास विभाग के अवर सचिव अशोक कुमार, निदेशक एनईपी ज्योत्सना सिंह, डीएसओ राजीव रंजन, डीटीओ दिनेश रंजन, एसओआर दीपू कुमार, डीपीओ अरुणा द्विवेदी, डीपीआरओ डॉ रजनीकान्त मिश्रा, जिला कृषि पदाधिकारी मिथिलेश कालिंदी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

विजया गार्डेन आवास पर मनीष भारद्वाज के माता-पिता को सम्मानित करते क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष शंभू सिंह, मंजू सिंह व शिवशंकर सिंह।

जमशेदपुर। झारखंड क्षत्रिय संघ के अध्यक्ष शंभूनाथ सिंह ने बुधवार को कांति सिंह और लक्ष्मण सिंह के सुपुत्र मनीष भारद्वाज जिन्होंने यूपीएससी के परीक्षा में 114 वीं रैंक लाकर सफलता प्राप्त की उनके घर विद्या गार्डेन कारमा पिता को सम्मानित किया। उनके साथ शिव शंकर सिंह एवं महासचिव मंजू सिंह ने भी फूलों के गुलदस्ता अंग वस्त्र और मिठाई खिलाकर मनीष के माता-पिता को धन्यवाद दिया। शंभू सिंह ने कहा मनीष की सफलता ने पूरे समाज को गौरवान्वित किया है। शिव शंकर सिंह ने मनीष को उसके नए कैरियर की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं। मंजू सिंह ने कहा हमारे समाज के बच्चों के लिए मनीष प्रेरणा का स्रोत है। झारखंड क्षत्रिय संघ के सभी पदाधिकारी ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि मनीष एक सफल ऑफिसर बन कर देश और समाज की सेवा करें।

एसीसी और अंबुजा सीमेंट ने सीमेंट और कंक्रीट रिसर्च और डेवलपमेंट सुविधा शुरू की

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर/मुंबई। अदाणी समूह की सीमेंट और निर्माण सामग्री बनाने वाली कंपनी एसीसी और अंबुजा सीमेंट ने नवी मुंबई के कलांबोली में अत्याधुनिक सीमेंट और कंक्रीट रिसर्च और डेवलपमेंट सुविधा का शुभारंभ किया। लॉन्च की अध्यक्षता सीमेंट बिजनेस के सीईओ श्री अजय कपूर ने की। नवस्थापित आर एंड डी फेसिलिटी सीमेंट बिजनेस के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो अत्याधुनिक अनुसंधान, सहयोग और इनोवेटिव सॉल्यूशंस को बढ़ावा देने के कर्मियों के विजन के अनुरूप है। यह सुविधा उत्पाद की गुणवत्ता को और बढ़ाने और सीमेंट और कंक्रीट उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक सार्थक प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगी। सीमेंट बिजनेस के सीईओ अजय कपूर ने कहा, हमारी नई आरएंडडी फेसिलिटी सीमाओं को आगे



बढ़ाने, इनोवेशन को बढ़ावा देने और उद्योग की चुनौतियों का समाधान करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम इस सुविधा की क्षमता का गवाह बनने के लिए उत्साहित हैं। हमें यकीन है कि यह फेसिलिटी सीमेंट और कंक्रीट उद्योग को विकास की एक नई राह पर ले जाने में कामयाब रहेगी। नई अनुसंधान और विकास सुविधा शोधकर्ताओं और पेशेवरों को एक साथ आने और सीमेंट और कंक्रीट के भविष्य पर चर्चा करने के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में भी कार्य करेगी।

वीमेंस यूनिवर्सिटी में इग्डू बीएड सेमिनार पांचवें दिन भी जारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के शिक्षा सकाय में इन्टू बीएड कार्यशाला के पांचवें दिन प्रथम सत्र की शुरुआत प्रार्थना सभा से की गई। प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ त्रिपुरा झा ने समावेशी परिेश में भागीदारी विविधता और शिक्षण अधिगम में मदद करने में परिरिथितिक तथा राजनैतिक वास्तविकताओं की भूमिका को स्पष्ट किया ताकि कक्षा कक्ष में शिक्षक भागीदारी विविधता और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में इसकी भूमिका के प्रति शिक्षक संवेदना निर्मित कर सकें। प्रथम एवं द्वितीय सत्र में विद्यालय



प्रशिक्षण के दौरान किए गए क्रियाकलापों के प्रतिवेदन और चिंतनशील डायरी का आकलन किया गया। 60 शिक्षार्थियों में 30 छात्रों ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किये एवं 30 छात्रों ने उस पर रचनात्मक प्रतिपुष्टि दी। तृतीय एवं चौथे सत्र में पांच शिक्षण शास्त्रीय पाठ्यक्रमों के लिए पांच समानांतर सत्र विभिन्न विषय के विशेषज्ञों ने शिक्षण विषयों से संबंधित पाठ योजना प्रस्तुत करवाए।

पूर्वी सिंहभूम में बेहतर रिजल्ट के लिए डीसी को दी बधाई



डीसी को गुलदस्ता देकर बधाई देते मुख्तार आलम व साथी।

जमशेदपुर। बुधवार को केंद्रीय शांति समिति के सदस्य और मानगो नगर निगम के ब्रांड एंबेसेडर मुख्तार आलम खान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें आजादनगर थाना शांति समिति के सदस्य शमशेर आलम, ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के पैट्रन सैयद आसिफ अख्तर, समाजसेवी अनिल मंडल, परडीह दुर्गा पूजा समिति के अग्रणी बालू प्रेन्ड कुमार सिंह, राकेश पति दुबे एवं जगसलाई के रहने वाले विजय तपेरिया ने उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम विजया जाधव को मुबारकबाद दिया। उपयुक्त की बच्चों के विकास के लिए की गई इस विशेष फल और शिक्षा के स्तर में सुधार की उनकी विशेष दिलचस्पी की सराहना की गई। पूर्वी सिंहभूम ने झारखंड में पांचवा स्थान प्राप्त कर लिया, जिसके लिये उन्हें बधाई दी गई।

टाटा मोटर्स यूनिजन ने राजेंद्र बाबू को किया याद



जमशेदपुर। बुधवार को टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनिजन कार्यालय में मजदूर नेता रमेश्वर राजेंद्र सिंह जी के पुण्य तिथि के अवसर पर सभी यूनिजन के लोगों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। यूनिजन कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अपने श्रद्धा सन्म अर्पित करते हुए महामंत्री श्री आरके सिंह ने कहा झारखंड में मजदूर के मसीह के रूप में राजेंद्र बाबू हमेशा जाने जाएंगे। चाहे वह कोल फील्ड के मजदूर हो या फिर अंटोमोबाइल सेक्टर में स्टील के सेक्टर में सभी मजदूरों का जीवन उथान के लिए उन्होंने भरपूर प्रयास किया। निश्चित तौर पर टैट यूनिजन के माध्यम से मजदूरों का उत्थान करने का गुण हम लोगों को उनसे सीखने की जरूरत है और हम लोग पूरा प्रयास करेंगे मजदूर कल्याण के क्षेत्र में हम लोग भी कार्य कर सकें अध्यक्ष श्री गुरमीत सिंह ने कहा बहुत ही सरल स्वभाव के मधुल भासी और संगठन के प्रति बहुत ही जुझारू पूर्ण कार्य करने वाले व्यक्तिव को हमें याद करना चाहिए और संगठन में एकता और मजबूती प्रदान करने के लिए उनके गुणों को हमें अनुकरण करना चाहिए हम सब राजेंद्र बाबू को हृदय से नमन करते हैं। अंत में धन्यवाद ज्ञापन अनिल शर्मा ने किया।

जिला परिषद निधि से बनेगा स्नान घाट



चाडिल। चाडिल प्रखंड क्षेत्र के रुग्डी गांव के सरकारी तालाब में 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत चाडिल जिला परिषद निधी से साढ़े तीन लाख की लागत से स्नान घाट का शिलान्यास विधायक सविता महतो एवं जिला परिषद पिंकी लायेक ने संयुक्त रूप से विधिवत फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर किया। विधायक ने कहा स्नान घाट नहीं रहने से हमने तो काफी परेशानी होती थी ग्रामीणों को इसका लाभ मिलेगा। जिप पिंकी लायेक ने संवेदक को यह कार्य ससमय एवं गुणवत्ता पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा आने वाले समय में जिला परिषद निधि से कई विकास के कार्य धरातल पर दिखेंगे। इस मौके पर झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू माहोती, पूर्ण जिप सदस्य सह झामुमो नेता ओमप्रकाश लायेक सहित कई लोग उपस्थित थे।

शौर्य संस्था ने लगायी प्याऊ सेवा



जमशेदपुर। भीषण से राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से जमशेदपुर की सामाजिक संस्था शौर्य के द्वारा बुधवार को युवा क्रांतिकारी शहीद सरदार करतार सिंह सराभा जी की जयंती के उपलक्ष्य पर जल सेवा (प्याऊ) गोलमुरी मुख्य मार्ग पर आम जनमानस को समर्पित किया। इसका उद्घाटन भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मिथिलेश सिंह यादव व बस्ती विकास समिति के अध्यक्ष खेमलाल चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का नेतृत्व विशाल उपाध्याय व दिनेश शर्मा ने किया। उपस्थित सभी अतिथियों ने संबोधित किया व संस्था के जन सेवा कार्यों की प्रशंसा की। संस्था के संस्थापक अमरजीत सिंह राजा ने बताया कि माई माह में इतनी भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए आम जनमानस को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से शौर्य संस्था द्वारा जल सेवा (प्याऊ) की व्यवस्था आज गोलमुरी साकची मुख्यामार्ग पर लगाई गई है। आने वाले वसाह में सभी वसाह जमशेदपुर के और विभिन्न मुख्य स्थानों पर संस्था द्वारा लगाई जाएगी।

देश का बड़ा हिस्सा इस वक्त गर्मी की चपेट में है, वहीं कर्नाटक उत्तराखंड और पूर्वोत्तर से भारी बारिश और भूस्खलन की भयावह खबरें सामने आई हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून तेज बारिश के कारण बंगलुरु शहर के कई हिस्सों में जल-जमाव हो गया, भारी बारिश के कारण कई निचले इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहनों की आवाजाही लगभग ठप रही। हर बारिश के बाद, देश के बड़े और आधुनिक शहरों की यही कहानी है। सालों साल एक जैसी कहानी देखते और झेलते हुए भी जनता ने इसे अपने जीवन का सच मान लिया है। बरसात के कारण हजारों हेक्टेयर भूमि पर खड़ी फसल बर्बाद हो गई। संचार और यातायात ठप होने से रोजमर्रा के कारोबार पर भी असर पड़ा है। बाढ़, बारिश, सूखा या भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएं अक्सर अपनी चपेट में आने वालों को जीवन भर का जख्म दे जाती हैं। भूकंप का तो खैर अनुमान नहीं लगाया जा सकता। मगर बारिश और सूखे का अनुमान लगाने के लिए तो मौसम विभाग बना हुआ है। यह आश्चर्य की बात है कि असम में इस बाढ़ की जानकारी समय रहते लोगों को क्यों नहीं दी गई या उन्हें पहले ही सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। अगर मौसम की सटीक भविष्यवाणी नहीं हो पाई थी, तो फिर इस दिशा में भी सरकार को विचार करना चाहिए कि आखिर हमारी तकनीकों में कहां की कमी रह रही है। मार्च से ही मौसम लगातार अपने विपरीत आचरण से कृषि सहित आम लोगों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। पर्यावरणविद इस परिवर्तन को ग्लोबल वार्मिंग से जोड़ कर देख रहे हैं। 1980 की चतावनी अब सर पर आ गयी है लेकिन विशेषकर भारत सहित विकासशील देशों को इससे होने वाले नुकसान को लेकर विकसित देश का आचरण सकारात्मक नहीं है।

न्याय का मंदिर

कि सी न्यायिक भवन का व्यवस्थित होना त्वरित न्याय की दिशा में एक कदम माना जाना चाहिए। झारखंड हाई कोर्ट के नये भवन का लोकार्पण करते हुए राष्ट्रपति प्रोप्रीटी मुर्मू ने कहा कि यह न्याय का मंदिर आम लोगों के हित, बंचित और समाज के सबसे निचले तबके को न्याय दिलाने की दिशा में ठोस कार्य करेगा। निश्चित ही महामहिम की उम्मीद आम लोगों की उम्मीद है। झारखंड हाई कोर्ट का पुराना भवन संयुक्त बिहार के एक पीठ के रूप में स्थापित था जहां केस के आधार पर कम स्थान होने से न्यायिक व्यवस्था के संचालन में कठिनाई होती थी। अलग राज्य निर्माण के बाद बिहार से भी झारखंड के क्षेत्र के केस आ जाने से इनकी संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई थी। इस कारण एक आधुनिक और सुसज्जित कोर्ट परिसर की आवश्यकता राज्य को थी। वह आवश्यकता इस उच्च न्यायालय के नये परिसर के शुभारंभ से पूरी हो गयी है। देश और राज्य के विकास में जो सबसे अधिक आवश्यकता है वह है त्वरित न्याय की जिसको लेकर पूरे देश में चर्चा और चिंता व्यक्त की जा रही है। न्यायालयों में जिस प्रकार केस दर्ज हो रहे हैं उस तुलना में तेज गति से मामलों का निष्पादन नहीं हो पा रहा है। चार करोड़ से अधिक मामले आज न्यायालयों में लंबित हैं और अगर एक मामले में चार लोग भी प्रभावित हैं तो यह संख्या बीस करोड़ हो जाती है। न्यायालय किसी भी व्यक्ति के लिये उम्मीद की अंतिम सीढ़ी होती है और इसका विश्वास कायम रहे यह आवश्यक है। सुविधा और आधुनिकता से मामलों के त्वरित निष्पादन की एक उम्मीद अवश्य बंधती है। हमारी न्यायिक व्यवस्था आज भी दुनिया में शीर्ष न्यायिक व्यवस्थाओं में एक है और हम न्याय के मंदिर में अपनी समस्याओं का निपटारा की चाह रखते हैं। एक बेहतर उम्मीद से झारखंड को एक बेहतर न्याय परिसर का निर्माण हुआ है।

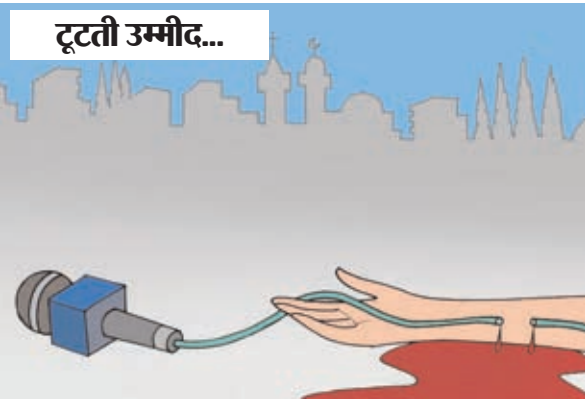
स्वांस की समझ

धर्म प्रताह
साध्वी मनीषा

स्वांस एक ऐसी अनमोल विरासत है जो सभी को मुफ्त में मिली है। यह एक स्वच्छंद लहर है जो आती है और जाती है लेकिन कहां से आती है और कहां जाती है, सिवाय अविनाशी के कोई नहीं जानता। स्वांस का पता तभी चलता है जब वह रूक जाती है। मनुष्य को जो स्वांस का अनमोल प्रसाद मिला है वह सिर्फ जिंदा रहने के लिए ही नहीं है बल्कि यह ऐसा खजाना है जो व्यक्तित्व के गहरे रहस्यों को खोलता है और एक स्वांस में संपूर्ण ब्रह्मांड समाया हुआ है। स्वांस के भीतर की शक्ति को जिन्होंने भी पहचाना उन्होंने ही हृदय में विराजमान परमात्मा के सानिध्य में शांति के अनुभव से अपना मनुष्य जीवन सफल बनाया। पुराने समय

में लोगों के व्यक्तित्व में ज्यादा जटिलता नहीं थी और न ही उस समय जीवन में इतना तनाव था। लोग सीधे और सरल थे। आज इस वैज्ञानिक युग के व्यस्त जीवन में व्यक्ति बहुत अधिक तनावग्रस्त व अशांत है। स्वांस का हमारे व्यक्तित्व से इतना गहरा संबंध है कि उस पर जरा सी लगी चोट सब तरफ प्रतिध्वनित हो जाती है। सिमरण क्रिया से जैसे ही मन स्वांसों के साथ एकाकार होता है तो व्यक्ति को स्वयं का बोध हो जाता है। स्वांसों के भीतर की शक्ति की पहचान प्रेमभाव, भाईचारा, अमनत्व और मानवता के लिए बहुत सार्थक है। स्वांसों की यह ऐसी अनमोल विरासत है कि यदि हमारा अन्तर्मन ही हृदय में विराजमान परमात्मा के सानिध्य में शांति के अनुभव से अपना मनुष्य जीवन सफल बनाया। पुराने समय

कार्टून वर्ल्ड



टूटती उम्मीद...

लेटर टू एडिटर

चीन का हठ

तिब्बत में न तो धार्मिक आजादी है, न ही स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल रहा है। वह भले कह रहा हो कि तिब्बत का विकास हुआ है, लेकिन स्थिति उलट है। मठों में कम्युनिस्ट पार्टी के लोगों ने कब्जा कर लिया है। भिक्षुओं को हजारों जगह पुलिस चौकियों पर अपनी पहचान सिद्ध करनी होती है। अब चीन भारत को तंग कर रहा है लेकिन भारत तिब्बत नहीं है।

-निरंकार सिंह, गढ़वा

आत्मनिर्भर भार

विभिन्न आर्थिक सुधारों, 20 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज और रिजर्व बैंक के उपायों से आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में धीरे-धीरे पुनरुद्धार किए जाने की संभावनाओं को मुद्दियों में लिया जाना होगा। अब सरकार के द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य, श्रम, कृषि भूमि, वित्तीय क्षेत्रों में घोषित किए गए सुधारों को आगे बढ़ाना होगा।

-सुनील, हजारीबाग

अभिव्यक्ति

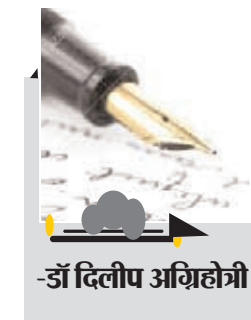
मोदी बने जी-20 और जी-7 सहयोग के सूत्रधार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विदेश नीति का नया अध्याय लिखा है। उन्होंने विश्व शांति और सौहार्द का प्रभावी संदेश दिया है। यही कारण है कि विकसित देश भी भारत की बढ़ती भूमिका को स्वीकार कर रहे हैं। वैश्विक सम्मेलन में सर्वाधिक आकर्षण मोदी के प्रति होता है। ऐसा जापान के हिरोशिमा में भी हुआ। भारत जी-20 का अध्यक्ष है। मोदी दोनों संगठनों के बीच सहयोग के सूत्रधार बने हैं। उन्होंने कहा कि जी-20 और जी-7 के बीच एक महत्वपूर्ण लिंक बनाया जा सकता है।

नरेन्द्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में खाद्य, स्वास्थ्य और विकास से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए दस सूत्री कार्यक्रमों का आह्वान किया है। सुझाव दिया कि वैश्विक नेताओं को ऐसी समावेशी खाद्य प्रणाली विकसित करनी चाहिए जिससे गरीब किसानों सहित सबसे कमजोर लोगों की रक्षा की जा सके। पोषण और पर्यावरण के हित में मोटे अनाज के उपयोग होना चाहिए। प्वास्थ्य सेवाएं विकसित करने के लिए डिजिटल व्यवस्था बढ़ाना आवश्यक है। विकासशील देशों की जरूरतों से प्रेरित विकास मॉडल होना चाहिए। परस्पर सहयोग से स्वास्थ्य सेवा, आरोग्य तथा खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों से संबंधित चुनौतियों का समाधान करना महत्वपूर्ण है।

बड़ी बात यह है कि भारत जी-7 समूह का हिस्सा नहीं है। फिर भी भारत को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी लगातार चौथी बार जी-7 में शामिल हुए। जी-7 दुनिया की सात सबसे बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है। इसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं, जी-7 समूह की स्थापना 1973 में की गई थी। इसका किसी भी देश में मुख्यालय नहीं है। यह ग्रुप मानवीय मूल्यों की रक्षा, लोकतंत्र की रक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा, अंतरराष्ट्रीय शांति का समर्थन, समृद्धि और सतत विकास के सिद्धांत पर चलता है। वस्तुतः नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जी-20 को नई दिशा मिल रही है। जी-7 के सदस्य भी भारत को इस भूमिका से प्रभावित हैं। नरेन्द्र मोदी की क्षमताओं का वह लाभ उठाना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी पर दुनिया को विश्वास है।

किसी वैश्विक संगठन ने पहली बार भारतीय सूक्ति को अपना ध्येय वाक्य बनाया



-डॉ दिलीप अग्रिहोत्री

यह विषय दुनिया को युद्ध मुक्त करने तक ही सीमित नहीं है। भारत ने पृथ्वी सूक्ति के माध्यम से मानवता को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का भी संदेश दिया। कोरोना काल में भारतीय जीवन-शैली और आयुर्वेदिक को दुनिया में पुनः प्रतिष्ठित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व कल्याण के दृष्टिगत दुनिया को भारतीय विरासत से परिचित करा रहे हैं। उनके प्रयासों से अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है।

है। वस्तुतः यह भारतीय चिंतन के बढ़ते प्रभाव और लोकधर्म की प्रतिध्वनि है। इसे विश्व सहजता से स्वीकार कर रहा है। लोगों को धीरे-धीरे यह समझ में आ रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान भारतीय चिंतन के माध्यम से किया जा सकता है। विश्व गुरु भारत ने सम्पूर्ण मानवता के लिए वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार दिया था। किसी अन्य सभ्यता संस्कृति के लिए यह दुर्लभ चिंतन था। इसमें सभ्यताओं के बीच संघर्ष को कोई संभावना नहीं थी। लेकिन कालान्तर में ऐसे संघर्ष का दौर भी चला। दुनिया में शांति और सौहार्द की अभिलाषा रखने वालों को भारतीय विरासत में ही समाधान दिखाई दे रहा है। अन्य कोई विकल्प है भी नहीं।

यह विषय दुनिया को युद्ध मुक्त करने तक ही सीमित नहीं है। भारत ने पृथ्वी सूक्ति के माध्यम से मानवता को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का भी संदेश दिया। कोरोना काल में भारतीय जीवन-शैली और आयुर्वेदिक को दुनिया में पुनः प्रतिष्ठित किया है। उस समय अपने को विकसित समझने वाले देश भी लाचार हो गए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व कल्याण के दृष्टिगत दुनिया को भारतीय विरासत से परिचित करा रहे हैं। उनके प्रयासों से अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग प्रत्येक व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य हेतु बहुत उपयोगी है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ऐसे मानवीय तथ्यों को दुनिया में स्थापित कर रहा है। विगत नौ वर्षों के दौरान अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर भारत का प्रभाव बढ़ा है। जी-20 में भी भारत के विचारों को बहुत महत्व मिलने लगा है। कुछ वर्ष पहले तक यह कल्पना भी मुश्किल थी कि भारत इस संगठन का अध्यक्ष बनेगा। आज यह सहज रूप में सम्भव हुआ है। नरेन्द्र मोदी ने इसे भारत के लिए एक बड़ा अवसर माना है। इसके माध्यम से वह विश्व कल्याण के तथ्यों को अवगत करा रहे हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन का लोगो अपने में एक विचार को अभिव्यक्त करने वाला है। नरेन्द्र मोदी ने भारत की मेजबानी में अगले वर्ष आयोजित होने वाली जी-20 शिखर वार्ता का प्रतीक चिह्न, ध्येय वाक्य और वेबसाइट का अनावरण किया था। जी-20 के प्रतीक चिह्न में सात पंखुड़ियों वाले कमल के फूल पर गोलाकार विश्व स्थित है। इसके नीचे भारतीय संस्कृति का प्रसिद्ध ध्येय वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम् अंकित है। साथ ही वन अर्थ, वन फैमिली और वन प्यूचर को स्थान दिया गया है। मोदी ने कहा कि इस लोगो और हिंसा के प्रतिरोध में महात्मा गांधी के जो समाधान हैं। जी-20 के जरिए भारत उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊर्जा दे रहा है।

नरेन्द्र मोदी ने संयुक्तराष्ट्र महासभा में भी कहा था कि भारत युद्ध नहीं बुद्ध का देश है। प्रतीक चिह्न में कमल का फूल भारत की पौराणिक धरोहर, हमारी आस्था और हमारी बौद्धिकता को चित्रित करता है। प्रतीक चिह्न के कमल की सात पंखुड़ियां दुनिया के सात महाद्वीपों और सगीत के सात स्वरों का प्रतिनिधित्व करती हैं। प्रतीक चिह्न इस आशा को जगाता है कि दुनिया एक साथ आगे बढ़ेगी। प्रतीक चिह्न में कमल आज की विपरीत परिस्थितियों में आशा जगाता है। चाहे कितनी भी विपरीत परिस्थितियां हों कमल खिलता रहता है।

आजादी के अमृतकाल में देश के सामने जी-20 की अध्यक्षता का बड़ा अवसर है। यह भारत के लिए गर्व और गौरव की बात है। जी-20 ऐसे देशों का समूह है जो विश्व के सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी में 85 प्रतिशत की भागीदारी रखता है। इन देशों में दुनिया की दो तिहाई जनसंख्या रहती है। विश्व व्यापार में इसकी 75 प्रतिशत की भागीदारी है। भारत का प्रयास है कि विश्व में कोई पहली दुनियावाह या तीसरी दुनिया न हो, बल्कि एक दुनिया हो। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सरकार ने शेल कंपनियों पर प्रहार किया था, 3-4 लाख कंपनियों बंद कर गंदगी दूर की गई। अब 2174 राजनीतिक दलों की समीक्षा - जिनकी आय टैक्स फ्री है और वे राजनीतिक गतिविधियां भी नहीं करतीं। इस तरह के लूप होल बंद होंगे तभी व्यवस्था स्वस्थ होगी।

-महेश पोद्दार, सांसद

बगोदर विधानसभा क्षेत्र के अमनारी में अमनारी एवं कैलाटांड जलापूर्ति योजना का शिलान्यास किया। इससे राजनीतिक गतिविधियां तंत्र सेवाओं की करीब दो दर्जन गांवों की 50 हजार से ज्यादा की आबादी को नल से शुद्ध पेयजल मिलेगा।

- अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय मंत्री

रोचक ट्वीट

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने एक सपना देखा है। और वह सपना है 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण का। हमारा वह स्वप्न तभी पूरा हो पाएगा, जब हम सब अपनी पूरी क्षमता का दोहन करेंगे: -राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

क्यों कोई जैव विविधता को बचाये ?

समस्या

सर्विसेज- आईबीबीएस के अनुसार इनकी संख्या 30 लाख से 10 करोड़ के बीच है। विश्व में 14,35,662 प्रजातियों की पहचान की गई है। यद्यपि बहुत सी प्रजातियों की पहचान अभी भी होना बाकी है। पहचानी गई मुख्य प्रजातियों में 7,51,000 प्रजातियां कीटों की, 2,48,000 पौधों की, 2,81,000 जंतुओं की, 68,000 कवकों की, 26,000 शैवालों की, 4,800 जीवाणुओं की तथा 1,000 विषाणुओं की हैं। पारितंत्रों के क्षय के कारण लगभग 27,000 प्रजातियां प्रतिवर्ष विलुप्त हो रही हैं। इनमें से ज्यादातर ऊष्ण

कटिबंधीय छोटे जीव हैं। हर 10 मिनट में औसतन एक प्रजाति खत्म हो रही है। जब कोई प्रजाति इको सिस्टम से गायब हो जाती है तो प्रकृति का संतुलन धीरे धीरे बिखरने लगता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, हम लोग दुनिया की छठी सामूहिक विलुप्ति के बीचो-बीच पहुंच गए हैं। अगर जैव विविधता क्षरण की वर्तमान दर कायम रही तो विश्व की एक चौथाई प्रजातियों का अस्तित्व सन 2050 तक समाप्त हो जाएगा। जैव विविधता खत्म होने से एल्गी यानी शैवालों (काई) या पेड़ों के बिना, ऑक्सीजन नहीं मिलेगी। और पौधों को परागित करने वाले परागणकर्ता (पोलिनैटर) जैसे पक्षी, मधुमक्खी और अन्य कीड़े के बिना हमारी फसलें चौपट हो जाएंगी। दो तिहाई से ज्यादा फसलें-

जिनमें कई फल, सब्जियां, कॉफी और कोकोआ शामिल हैं, कीटपतंगों जैसे कुदरती पॉलिनैटर्स पर निर्भर हैं। सुबह-सुबह जब अन्न का कटोरा हमारे सामने होता है तब हम ये नहीं सोचते कि कुदरत ने इन फसलों को पॉलिनेट करने में कितनी मदद की है जिसकी बदौलत वो अन्न तैयार हुआ है। रोजमर्रा के स्तर पर कुदरत जो हमारे लिए कर रही है, वो हमें दिखाता ही नहीं है। कोविड-19 जैसी महामारी के पीछे की वजह भी कहीं न कहीं से प्राकृतिक असंतुलन है। जब से हमने जैव विविधता को नष्ट करना शुरू किया तभी से हमने उस तंत्र को समाप्त करना शुरू कर दिया, जो स्वास्थ्य तंत्र के लिए मददगार होता है।

धर्म और कानून का सबसे चर्चित केस करने वाले केशवानंद

मुल्जय प्रसाद

संविधान के संरक्षक के तौर पर सर्वोच्च न्यायालय के 13 जजों ने वर्ष 1973 में एक ऐसा फैसला दिया था, जिसकी वजह से केशवानंद भारतीय मूल्य के बाद भी देश के सांविधानिक इतिहास में अमर हो गए हैं। कांग्रेस की आंतरिक कलह और पाकिस्तान से युद्ध के बाद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स खत्म करने और राज्यों में भूमि अधिग्रहण कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने जैसे कई कानून बनाए और संसद के माध्यम से संविधान में 24वां, 25वां और 29वां संशोधन कर दिया।

'केशवानंद भारती बनाम स्टेट ऑफ केरल' मामले में पांच महीनों तक 68 दिन रोज सुनवाई हुई, जो सुप्रीम कोर्ट में सबसे लंबी सुनवाई का रिकॉर्ड है। अयोध्या मामले में 40 दिन की सुनवाई के बाद पांच जजों ने 1,045 पृष्ठों में सर्वसम्मति से राम मंदिर के पक्ष में अपना फैसला दिया था, जबकि केशवानंद भारतीय मामले में तेरह में से सात जजों ने बहुमत से लगभग 800 पृष्ठों में अपना फैसला दिया था। कुल 2,144 पृष्ठ के इस फैसले में 11 अलग-अलग फैसले शामिल थे, जिनमें संविधान के अधिकांश प्रावधानों का पुनरावलोकन किया गया। इस फैसले के अनुसार, कानून का शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, शक्तियों का बंटवारा,

कानून

केन्द्र-राज्य की संघीय व्यवस्था, गणतंत्र और संसदीय प्रणाली संविधान के मूलभूत ढांचे का हिस्सा हैं, जिन्हें संविधान संशोधन से नहीं बदला जा सकता। इस फैसले के बाद सरकार, संसद और सर्वोच्च न्यायालय में भारी उलटफेर हुआ। अगले दिन प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस एम सीकरी के रिटायर होने के बाद इंदिरा सरकार ने तीन जजों की वरिष्ठता के नजर अंदाज कर जस्टिस के दो प्रधान न्यायाधीश बना दिया, जिसके विरोध में तीन वरिष्ठ जजों ने त्यागपत्र दे दिया। प्रसिद्ध संविधानविद सीके दफ्तरी ने इस घटनाक्रम को भारतीय लोकतंत्र

का काला दिन बताया था। मौलिक अधिकारों को आपातकाल में पूरी तरह से कुचल दिया गया। एडीएम, जबलपुर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मौलिक अधिकारों को प्रश्रय देने के बजाय, सरकारी दमन पर कोर्ट की मुहर लगा दी। केशवानंद भारती का फैसला सुप्रीम कोर्ट की तेजस्विता को दर्शाता है। केशवानंद फैसले के अनेक प्रावधानों को इंदिरा सरकार ने 42वें संविधान संशोधन के कानून से खारिज कर दिया। हालांकि जनता पार्टी सरकार ने इंदिरा सरकार के ऐसे तमाम फैसलों को रद्द कर दिया। इंदिरा सरकार ने संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' जैसे शब्दों को शामिल किया था, जिन्हें नहीं हटाया जा

सका। संविधान का मूलभूत हिस्सा मानकर अब उन प्रावधानों को हटाने पर आपत्ति की जा रही है। सवाल है कि जो प्रावधान संविधान संशोधन से शामिल किए गए, उन्हें बहुमत वाली सरकार द्वारा संविधान संशोधन के माध्यम से क्यों नहीं हटाया जा सकता। केशवानंद का मामला सरकार और न्यायपालिका के बीच प्रभुत्व के लिए हुए टकराव के तौर पर भी देखा जाता है। प्रधान न्यायाधीश की नियुक्ति में मनमानी से इंदिरा गांधी ने न्यायपालिका पर तात्कालिक बढ़त हासिल कर ली थी। लेकिन इस फैसले के नौ साल बाद एस पी गुप्ता मामले से जजों ने नियुक्ति में कालोनिज्म व्यवस्था के माध्यम से पूर्ण वर्चस्व स्थापित कर लिया।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदा, बोड़ैया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 94313-55233
फिन: -834006
e-mail
khabarmantra@gmail.com
R.N.I. No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।
प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।



स्पीड न्यूज

बस व स्कूटी की सीधी मिड़त में एक की मौत

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के जशपुर रोड़ स्थित सिलम दलान के समीप बस और स्कूटी की सीधी भिड़त में टेंगरिया बेड़ो निवासी 16 वर्षीय अनुज तिकी पिता स्वर्गीय रुबेन तिकी की मौत हो गई। वहीं बांडी बेड़ो निवासी 17 वर्षीय जोहन मिंज पिता विजय मिंज व जामटोली बेड़ो निवासी 19 वर्षीय राम उरांव पिता जेवियर कुजूर घायल हो गये। दुर्घटना के बाद इलाज के लिए सभी को गुमला सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के क्रम में अनुज तिकी की मौत हो गई। जोहन मिंज की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने उसे रिम्स रेफर कर दिया गया है।

बाइक सवार गिरकर हुआ घायल, सिर में गंभीर चोट

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के मुरकुंडा के समीप बाइक सवार युवक अबेराडीह निवासी जीतू गोप का 19 वर्षीय पुत्र विकास गोप गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। पीछे से आ रहे परिजन ने तत्काल उसे सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कराया। युवक के सिर पर गंभीर चोट लगी है।

साइकिल सवार पत्थर से टकराया टूटा हाथ

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के कोटाम के समीप साइकिल सवार बिहार के शेथाली निवासी 65 वर्षीय राजनाथ महतो अनियंत्रित होकर पत्थर से जा टकराया। उसके सिर पर गंभीर चोट लगी है और बायां हाथ टूट गया है। साथ में आ रहे लोगों ने तत्काल उसे उठाकर इलाज हेतु सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कराया।

पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति के युवा मोर्चा अध्यक्ष बने अशोक

गुमला। पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति का संगठन विस्तार करते हुए गुमला जिला युवा मोर्चा के लिए अशोक कुमार साहू को जिला अध्यक्ष बनाया गया। साथ ही उनसे उम्मीद जतायी गयी कि एक सप्ताह के अंदर जिला कमेटी विस्तार करते हुए केंद्र कमेटी एवम जिला कमेटी को सूचित करेंगे। अशोक कुमार साहू को निर्देश दिया गया है कि 25 मई को मशाल जुलूस में सैकड़ों की संख्या में नौजवान साथियों को लाएं। 26 मई को 7 जिलों में आहत बंदी में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। गुमला जिला में बंदी को सफल बनायें।

अवैध बालू लदे 6 हाइवा को पुलिस ने पकड़ा एक गिरफ्तार

गुमला। गुमला-रांची मुख्य मार्ग पर भरनो के टुंडो मंदिर के समीप गुमला एसडीओ रवि जैन के नेतृत्व में सीओ संजीव कुमार व थानेदार कृष्ण कुमार तिवारी ने अवैध बालू परिवहन के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान अवैध बालू लदे 6 हाइवा को जब्त करते हुए एक चालक को गिरफ्तार किया गया है।

सर्पदंश से बचाव को जागरूकता अभियान चलायें : डीसी

गुमला में जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। उपायुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की समीक्षात्मक बैठक हुई। इसमें मुख्य रूप से अपर समाहर्ता, एसडीओ बसिया, प्रशासक नगर परिषद, डीएसपी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



बैठक में निर्देश देते उपायुक्त।

निर्देश दिये। उन्होंने आपदा प्रभावितों को मिलने वाले मुआवजा राशि के संबंध में भी पंचायत स्तरों, पुलिस स्टेशन, विद्यालयों आदि के बाहर दीवार लेखन कराने का निर्देश दिया। बताते चले कि सरकार द्वारा अपने प्रवासियों के सुरक्षा को लेकर

कई योजनाएं चलाई जा रही है। उन योजनाओं के माध्यम से आपदा प्रभावितों को सहायता प्रदान की जाती है। इसके अंतर्गत सर्पदंश, डूबने, चक्रवात से मकान की क्षति, सड़क दुर्घटना से हुए मृत्यु, कोविड से हुए मृतकों के प्रभावित

परिवारों जैसे कई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित पीड़ितों व उनके परिवार जनों को मुआवजा राशि आवंटित करने का प्रावधान है। इसके अलावा कुषको के लिए भी सुखाड़ की स्थिति से बचाव हेतु सुखाड़ राहत योजना, फसल राहत आदि जैसे योजनाएं चलाई जा रही है। उपायुक्त

ने जिले वासियों से अपील करते हुए कहा कि इस मौसम में सर्प दंश के मामले अधिक देखने को मिल सकते हैं। जिसके लिए लोगो को अभी से सतर्क रहने की आवश्यकता है तथा उन्होंने कहा कि सर्प दंश के मामले के मिलने पर तुरंत डॉक्टर के पास मरीजों को ले आवे। बजाए झाड़ फूंक जैसे अंध विश्वास में पड़ने की। इसके अलावा उपायुक्त ने सुखाड़ राहत योजना , फसल राहत योजना आदि से किसानों को अधिक से जोड़ने का भी निर्देश दिया एवं किसी भी प्रकार के आपदा प्रभावी व्यक्तियों को ऑन टाइम मुआवजा राशि का भुगतान करने की बात कही। इसके अलावा बैठक में संबंधित विषय अंतर्गत कई बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उपायुक्त द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

कुड़ू प्रीमियर लीग नाइट क्रिकेट प्राइजमनी प्रतियोगिता 9 जून से



बैठक में शामिल आयोजन समिति के सदस्य।

खबर मंत्र संवाददाता

कुड़ू (लोहरदगा)। संत विनोबा भावे मिनी स्टेडियम खेल मैदान ब्लाक मोड टाटी कुड़ू में आयोजित कुड़ू प्रीमियर लीग नाइट प्राइजमनी क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर बुधवार को लाल विकास नाथ शाहदेव की अध्यक्षता में आयोजन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में तय किया गया है कुड़ू प्रीमियर लीग नाइट प्राइजमनी क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ आगामी 9 जून की शाम सात बजे से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच किया जायेगा तथा समापन आगामी 17 जून को भव्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच किया जायेगा। प्रतियोगिता में प्रखंड स्तरीय 8 टीमों तथा जिला स्तर की 24 टीमों हिस्सा लेंगी। प्रथम पुरस्कार के रूप में नगद पचास हजार रुपए तथा कुड़ू कप दिया जायेगा। कुड़ू प्रीमियर लीग नाइट प्राइजमनी क्रिकेट प्रतियोगिता के सफल संचालन को लेकर सर्वसहमति से एक आयोजन समिति का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष लाल विकास नाथ शाहदेव व उपाध्यक्ष संजय चौधरी बनाये गये हैं।

बाल विवाह रोकथाम पर किशोर किशोरियों को दिलायी गयी शपथ



कार्यक्रम में शामिल लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

जारी। लोहरदगा ग्राम स्वराज संस्थान एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जारी प्रखंड के श्रीनगर में एक्ससे टू जस्टिस कार्यक्रम के तहत बाल विवाह रोकथाम पर ग्रामीणों तथा किशोर किशोरियों को जागरूकता का शपथ दिलाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के फिरेड फैसिलिटेटर श्री नूर मोहम्मद अंसारी ने बाल विवाह

के दुष्परिणाम तथा कानूनी जानकारी दिया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य दिलीप बड़ाईक, सीसीकमटोली पंचायत के मुखिया श्रीमती फुलमाईत देवी, विजय प्रताप सहदेव ने भी बाल विवाह पर पूर्ण रूप से रोक लगाने की बात कही। सभी लोगों ने बाल विवाह नहीं करने का शपथ ग्रहण किया। कार्यक्रम का संचालन नीलम बेक ने की। मौके पर सहिया के अलावा दर्जनों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जुबी उरांव का हत्यारा सुरेंद्र गिरफ्तार सिर को धड़ से कर दिया था अलग

खबर मन्त्र संवाददाता

भंडरा। 22 मई को भंडरा सप्ताहिक बाजार आये वृद्ध जुबी उरांव का सिर कटा शव बरामद होने की घटना का खुलासा भंडरा पुलिस द्वारा 25 घंटों मे कर दिया गया। घटना में सलिपत हत्यारा सुरेंद्र उरांव पिता बिरसा उरांव ग्राम नवदीहा छोटका टोली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सुरेंद्र उरांव, जुबी उरांव की हत्या कर सिर गाथब करने की घटना को स्वीकार लिया है। इस संबंध में भंडरा थाना कांड संख्या 29/ 2023 धारा 302, 201 के तहत दर्ज कर लिया गया है।



गिरफ्तारी की जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

जुबि की हत्या में 20 वर्षीय सुरेंद्र उरांव दरिंदगी की सारी हदें पार करते हुए घटना को अंजाम दिया। जुबि की हत्या कर उसका सिर लेकर अपने घर आ गया एवं सिर को एक पेड़ की खोडहर में

नहीं दिया। हालाकी भंडरा पुलिस आगे अनुसंधान में हत्या के कारण को गंभीरता से लेने की बात कर रही है। मामला लोहरदगा जिले के भंडरा थाना क्षेत्र का है, जहां पझरी गांव के पास पिछले दिन एक वृद्ध का सिर कटा शव बरामद हुआ था। मृतक की पहचान भंडरा थाना क्षेत्र के घोबाली गांव निवासी जुबी उरांव (65 वर्ष) के रूप में हुई थी। उसकी पहचान उसके पुत्र ने कपड़ों और जूतों के आधार पर की थी।

मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन शिवानी पांडेय 92 प्रतिशत अंक लाकर कैरो प्रखंड में आयी अक्वल

खबर मन्त्र संवाददाता

कैरो (लोहरदगा)। झारखंड अधिविध परिषद रांची के द्वारा आयोजित माध्यमिक परीक्षा 2023 में एके क्लासेस कैरो, शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों के द्वारा शत प्रतिशत परिणाम लाकर शानदार प्रदर्शन कर संस्थान का नाम प्रखंड में रोशन किया है। संस्थान के निदेशक अजीत कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि शिक्षण संस्थान पहले वर्ष में ही शत प्रतिशत परिणाम देने मे सफल रहे। यहाँ के गरीब बच्चों को न्यूनतम फीस में शिक्षा दी जाती है,



कैरो के टॉपर विद्यार्थी।

जिससे हर समाज के लोगों तक शिक्षा की दीप जले, किसी भी तबके के लोग शिक्षा से वंचित न रहे यही संस्थान की आजीवन

प्रयास रहेगी। साथ ही साथ छात्रवृत्ति का भी सुविधा देने की पहल की जाएगी आगामी वर्षों से। अभी यहाँ पर आठवीं नवीं एवं दसवीं कक्षा का क्लास सुबह 6 बजे से दिया जाता है एके क्लासेस' कैरो के विद्यार्थियों का प्रदर्शन इस प्रकार है। शिवानी पांडेय 460 अंक, पवन प्रजापति 427 अंक, नईमा प्रवीण 424 अंक, सुचिता कुमारी 357 अंक, मन्तसा मंसूर 357अंक, सोहनी उरांव 351अंक लाकर बेहतर प्रदर्शन किया। संस्थान के संचालक ने सभी छात्रों को मुंड मीठा करा कर उनके उज्वल भविष्य की कामना किये।

शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के सात विद्यार्थी लोहरदगा जिले में टॉप 10 में शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने जैक द्वारा प्रकाशित मैट्रिक परीक्षाफल में जिला में अक्वल स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की छात्रा आयुषी सिंह ने

94. 8 0% अंक प्राप्त कर जिला में तृतीय स्थान प्राप्त की। इसके अलावा विद्या मंदिर के छह अन्य विद्यार्थियों ने भी जिला के टॉप 10 में अपना स्थान प्राप्त किया। विद्या मंदिर के हर्षित राज एवं अमित कुमार ठाकुर ने 94. 4 0% अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप में

जिला में चतुर्थ स्थान , सुधांशु प्रजापति ने 93.2 0% अंक प्राप्त कर सातवां स्थान, ऋषभ डे ने 93% अंक प्राप्त कर आठवां स्थान, शिवानी शाहदेव ने 92.8 0% अंक प्राप्त कर नौवां स्थान एवं शौर्यम राज ने 92.60% अंक प्राप्त कर दसवां स्थान प्राप्त किया

। विद्या मंदिर के 22 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर जिला में विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय के अग्रभवी एवं कर्मट शिक्षक/शिक्षिकाओं के बल पर 135 में 130 विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए विद्यालय को शत-प्रतिशत रिजल्ट

प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ। विद्यालय के इस कामयाबी पर प्रांतीय समिति के पदाधिकारी, प्रबंध कारिणी समिति के पदाधिकारी गण एवं प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अमित महतो ने 21 किलोमीटर की लगायी मैराथन दौड़ पूर्व विधायक ने खतियान आधारित स्थानीय एवं नियोजन नीति बनाये जाने की रखी मांग

खबर मन्त्र संवाददाता



मैराथन दौड़ में शामिल पूर्व विधायक अमित महतो।

नियोजन नीति व स्थानीय नीति बनाने की मांग की ताकि झारखंड वासियों को उनका लाभ मिल सके। साथ ही यह भी कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार बनाने में

झारखंडियों ने साथ दिया। लेकिन वे तीन साल के कार्यकाल में इतने मसगुल हो गये कि झारखंडियों को ही भूल गए। श्री महतो ने यह भी कहा कि 22 साल के बने झारखंड

में एनडीए, यूपीए और जेएमएम की सरकारें बनीं। लेकिन अब तक झारखंड के लोगों को एक अलग पहचान नहीं मिल सका और ना ही कोई टोस नीति बनाई गई है। इन

सभी मुद्दों को लेकर लोगों को मैराथन दौड़ के माध्यम से जागरूक करना व मुख्यमंत्री को संदेश देना है कि हम दौड़ेंगे लोग दौड़ेगा ताकि झारखंड में खतियान के आधार पर पहचान और रोजगार मिलेगी। 103 वे दिन में 55 वें विधानसभा में दौड़ लगाकर कुल 2163 किलोमीटर की दूरी तय की है। यह मैराथन दौड़ 10 फरवरी सिल्ली के सभी पंचायत से शुरू हुई थी जिसका समापन 2709 किलोमीटर दौड़ पूरी कर 19 जून को होगा। इस मौके पर महावीर उरांव, रोहित भागत, दीर्घांकर भगत कृष्णा सतीष राज, तिष्णी सुनील तिष्णी संतोष नीरज राकेश विशाल सहित काफी संख्या में समर्थक शामिल थे।

प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ। विद्यालय के इस कामयाबी पर प्रांतीय समिति के पदाधिकारी, प्रबंध कारिणी समिति के पदाधिकारी गण एवं प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

भाजपा सरकार की उपलब्धियों को जनता तक ले जायें कार्यकर्ता : सुदामा प्रसाद

खबर मन्त्र संवाददाता



बैठक में मौजूद भाजवाई।

जिससे पार्टी के विचारधारा से अन्य लोग भी जुड़ पाएँगे और भारतीय जनता पार्टी संगठनात्मक रूप से मजबूत होगा। मंडल अध्यक्ष ने मंडल के सभी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि भाजपा सरकार की उपलब्धियों को जनता तक ले जाएँ और उन्हें दिग्दर्शन करने से बचाएँ। कांग्रेस और जेएमएम के लोग झूठ की राजनीति करने जानते हैं। मौके पर ब्रज बिहारी प्रसाद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का पूरे प्रदेश में महाजनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय संगठन को मजबूत बनाने में कारगर साबित होगी,इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को इस अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना है। नवीन कुमार टिंकू, संजय चौधरी, भूषण प्रसाद, राजेश प्रसाद, धीरज प्रसाद ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।





नाथ शिव को समर्पित सोमनाथ महादेव

अशोक प्रवृद्ध

भारत के महत्वपूर्ण मन्दिरों में से एक सोमनाथ मन्दिर गुजरात प्रदेश के सौराष्ट्र क्षेत्र के वेरावल बन्दरगाह के निकट स्थित अत्यन्त प्राचीन व ऐतिहासिक शिव मन्दिर है। सोमनाथ मन्दिर भारत के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में मान्य व पूज्य है। भारत के इस अत्यन्त प्राचीन मन्दिर का सम्बन्ध चन्द्रदेव से है। ऐसी मान्यता है कि समुद्र किनारे स्थित सोमनाथ मन्दिर का निर्माण चार चरणों में किया गया। सर्वप्रथम मन्दिर की प्रारम्भिक संरचना सोने से स्वयं चन्द्रदेव द्वारा बनवाई गई थी। बाद में चाँदी से रावण ने, चन्दन लकड़ी से भगवान श्रीकृष्ण और पत्थर से राजा भीमदेव द्वारा किया गया था। कुछ पुराणों में चाँदी से मन्दिर निर्माण सूर्यदेव द्वारा किये जाने की बात कही गई है। सोमनाथ दो शब्दों के योग से बना है, जिसमें सोम का अर्थ है—चंद्रमा और नाथ का अर्थ है—स्वामी। अर्थात् चंद्रमा के स्वामी। चंद्रमा के आराध्य। सोमनाथ चंद्रमा के स्वामी हैं, ऐसे स्वामी जिन्होंने अपने सेवक चंद्रमा को अपने मस्तक पर धारण कर रखा है।

स्कन्द पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण और शिव पुराण आदि पौराणिक ग्रंथों के अनुसार सोमनाथ भारत के प्राचीनतम तीर्थों में से एक है। द्वादश ज्योतिर्लिंग में प्रथम सोमनाथ का निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। इस स्थान पर चंद्रमा को भगवान सोमनाथ की आराधना के बाद उनके ससुर दक्ष प्रजापति के शाप से मुक्ति मिली है। पौराणिक कथाओं के अनुसार सोम अर्थात् चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की सताईस कन्याओं से विवाह किया था, लेकिन उनमें से रोहिणी नामक अपनी पत्नी को अधिक प्यार व सम्मान दिया करता था। इसे अपनी शेष पुत्रियों के साथ अन्याय समझकर दक्ष ने क्रोध में आकर चन्द्रदेव को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज (कान्ति) क्षीण होता रहेगा।

शाप के फलस्वरूप हर दूसरे दिन चन्द्र का तेज घटने लगा। शाप से विचलित और दुःखी सोम ने भगवान शिव की आराधना शुरू कर दी। अन्ततः शिव प्रसन्न हुए और सोम अर्थात् चन्द्र के शाप का निवारण कर दिया। सोम के कष्ट को दूर करने वाले प्रभु

जो इसके जमीन के ऊपर तैरने का कारण है। हिन्दू धर्म के उत्थान-पतन के इतिहास का प्रतीक सोमनाथ मन्दिर प्राचीन काल से ही अत्यन्त समृद्ध व वैभवशाली होने के कारण इतिहास में सत्रह बार तोड़ा तथा पुनर्निर्मित किया गया। दूसरी बार मन्दिर का

करवाया गया। मुगल औरंगजेब ने इसे पुनः 1706 में गिरा दिया। राजा कुमार पाल द्वारा इसी स्थान पर अन्तिम मन्दिर बनवाया गया था। वर्तमान मन्दिर के पुनर्निर्माण का आरम्भ स्वाधीनता के पश्चात तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लोहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने

देहोत्सर्ग तीर्थ और शिव की वाणी



एक अन्य पौराणिक कथानुसार भगवान श्रीकृष्ण ने इसी स्थल पर अपनी लीला समाप्त कर स्वर्ग गमन किया। श्रीकृष्ण भालुका तीर्थ पर विश्राम कर रहे थे। तब एक शिकारी ने उनके पैर के तलुए में पचाहिन को हिरण की आंख जानकर अनजाने में तीर मार दिया। तब इसी स्थान पर श्रीकृष्ण ने देह त्याग कर यहीं से वैकुण्ठ गमन किया। इस स्थान पर वर्तमान में एक श्रीकृष्ण मन्दिर बना हुआ है।

इसे देहोत्सर्ग तीर्थ कहा जाता है, और यह हिरण्य नदी के तट पर स्थित तथा सोमनाथ मंदिर से 1.5 किमी दूर है। शिव पुराण के अनुसार भगवान शिव ने कहा है—

शिव का स्थापन यहां किया गया और उनका नामकरण सोमनाथ हुआ। कुछ पुराणों में चन्द्रदेव के शाप का निवारण इस स्थल पर उस समय प्रवाहित सरस्वती नदी में स्नान करने से होने की कथांकित है। उन्होंने सरस्वती नदी में स्नान किया और अपनी चमक को पुनः प्राप्त किया। इसलिए सरस्वती तट पर चन्द्रदेव ने सोमनाथ का मन्दिर का निर्माण कराया।

ऐसी मान्यता है कि प्रसिद्ध स्यमंतक मणि शिवलिंग के खोखलेपन के भीतर सोमनाथ करता था। इसे अपनी शेष पुत्रियों के साथ अन्याय समझकर दक्ष ने क्रोध में आकर चन्द्रदेव को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज (कान्ति) क्षीण होता रहेगा।

पुनर्निर्माण सातवीं शताब्दी में वल्लभों के मंत्रक राजाओं ने किया। गुर्जर प्रतिहार राजा नागभट्ट ने 815 ईस्वी में इसका तीसरी बार पुनर्निर्माण किया। अरब यात्री अल-बरुनी ने अपने यात्रा वृत्तान्त में इस महिमा और कीर्ति का विवरण लिखा। जिससे प्रभावित हो महमूद गजनवी ने सन् 1024 में करीब पांच हजार लुटेरों के साथ सोमनाथ मन्दिर पर हमला किया। इसके बाद गुजरात के राजा भीम और मालवा के राजा भोज ने इसका पुनर्निर्माण कराया। यह मंदिर 1296 मन्दिर में सुरक्षित रूप से छिपी है। यह मणि शहा, 1451 में महमूद बेगड़ा और 1665 में औरंगजेब के हाथों नष्ट हो गया था। लेकिन फिर भी हर बार इस मंदिर का पुनः निर्माण

में भले ही हमेशा हर स्थल पर मौजूद रहता हूँ, लेकिन बारह स्थानों पर ज्योतिर्लिंग के रूप में विशेष रूप से रहूँगा, जिनमें से सोमनाथ एक स्थल होगा और वह इन बारह ज्योतिर्लिंगों में सर्वप्रथम होगा। यह तीर्थ पितृगणों के श्राद्ध, नारायण बलि आदि कर्मों के लिए भी प्रसिद्ध है।

चैत्र, भाद्रपद, कार्तिक माह में यहां श्राद्ध करने का विशेष महत्व बताया गया है। इसलिए इन तीन महानों में यहां श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ लगती है। यहां तीन नदियों हिरण्य, कपिला और सरस्वती का महासंमम होता है। इस त्रिवेणी स्नान का विशेष महत्व है।

करवाया। मन्दिर को पुराने स्वरूप में लाने के वल्लभ भाई पटेल और सौराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उच्छंगराय नवल शंकर देबर की भी अहम भूमिका रही। सौराष्ट्र के मुख्यमंत्री उच्छंगराय नवलशंकर देबर ने 19 अप्रैल, 1940 को यहां उत्खनन कराया था। इसके बाद भारत सरकार के पुरातत्व विभाग ने उत्खनन द्वारा प्राप्त ब्रह्मशिला पर शिव का ज्योतिर्लिंग स्थापित किया है।

11 मई, 1951 को मन्दिर में ज्योतिर्लिंग स्थापित कर प्राण-प्रतिष्ठा की गई। और सोमनाथ मंदिर की भव्यता को वापस लाते हुए प्रथम दिसम्बर, 1955 को भारत के राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इसे राष्ट्र को समर्पित किया।

पूर्व जन्मों केअसर को कम करने से होगा उद्धार

ज

ब भी कोई जीव जन्म लेता है तो उसे अपने पूर्व जन्मों का ऋण चुकाना ही पड़ता है परन्तु वह यह ऋण किस प्रकार चुकाता है यह उसका प्रारब्ध है। जीव जो भी पूर्व जन्मों में कर्म करके आया है और जो ऋण उसको चुकाना है वह उसकी कुंडली में स्पष्ट होता है। किसी भी ज्योतिषाचार्य को कुंडली दिखा कर उपाय पूछा जा सकता है जिससे पूर्व जन्मों के किए कर्मों का ऋण हम चुका सकें। उन उपायों के माध्यम से हम अपना और अपने परिवार का जीवन सुखमय बना सकते हैं।



दान से यूं संतारें अपना जीवन

बेसन तथा आटे को तेल में भून कर चीनी मिला कर चींटियों को खिलाने से दाम्पत्य जीवन में मधुरता आती है। कुत्ते को दूध व ब्रेड देने से चन्द्र, शनि व राहु की शांति होती है। कुछ रोगियों को सिक्के दान करने चाहिए इससे शनि शांत होता है। पौधों की देख-रेख करने से राहु, बुध को शक्ति मिलती है।

मानसिक तनाव में लाभ के लिए अस्पताल के रोगियों में दूध वितरित करना चाहिए। गाय को नित्य मीठी रोटी/नमकीन रोटी खिलाने से मानसिक शांति प्राप्त होती है। शिक्षा सम्बन्धी सामग्री बांटने से बृहस्पति की दशा सुधरती है और बच्चे का पढ़ाई में मन लगता है। बंदरों को केला और भुने चने खिलाने से मंगल व शनि की शांति होती है। पक्षियों को भुजिया खिलाने से राहु को शांत किया जा सकता है।

श्री मदभगवत गीता का उद्धरण जिससे बदलेगा जीवन



- दूसरों के बारे में सोचने से बेहतर है आप अपना काम करें। आप अपना काम बेहतर से करें की दूसरा इंसान क्या काम कर रहा है इस विषय पर सोचने की बजाय आप अपना काम कैसे बेहतर कर सकते हैं। इस पर बल दें। दूसरा जो काम कर रहा है वो उसके कर्म हैं, पाप नहीं है। आप अपने कर्म करें।
- नरक में जाते के तीन रास्ते हैं लालच, गुस्सा और हवस।
- कर्म करो फल की इच्छा न करें क्योंकि कर्म हमेशा फल से अच्छा ही होता है।
- क्या हुआ था? क्या हो रहा है? क्या होगा? आप कभी भी अपने बीते हुए कल को ठीक नहीं कर सकते और आने वाले भविष्य को कभी देख नहीं सकते। केवल चिन्ताएं कर सकते हैं। वर्तमान में क्या हो रहा है। उस पर ध्यान दें भविष्य में नहीं वर्तमान में जिएं।
- जो आपके जीवन में हो रहा है आप उसे नहीं बदल सकते। जीवन और मृत्यु के बीच में जो अंतर है उसे आंका नहीं जा सकता। मौत और जीवन के बीच में थोड़ा हीफर्क है। बस एक सोच है ये दोनों और इसे हम भोगते हैं। आपका मन बहुत छोटा भी है और बड़ा भी है उसी के द्वारा ही विचार उत्पन्न होते हैं। सार बस ये है कि सब कुछ आपका है और आप सब के हो।
- यह शरीर आपका नहीं है और न ही आप शरीर के हो। यह शरीर पंच तत्व का है इसी से ही बना है इसमें ही समा जाएगा। आत्मा आपकी है विचार करो आप कौन हो?
- डरो मत यह मत सोचो क्या हुआ था? क्या हो रहा है? क्या होगा? असंलियत क्या है? सच्चाई कभी नहीं मरती।
- आदमी अपने विश्वास से बनता है विश्वास ही तो आप हो।
- क्रोध सारी समस्याओं की जड़ है। मन हमेशा इर्था और चिन्ता से भरा रहता है। जो आपके विचार हैं वो आपके दिल और दिमाग को व्यग्र कर देते हैं। आप तभी शांत हो सकते हो जब इन विचारों को अपने दिमाग से निकाल कर नष्ट कर दो।
- अपने काम के प्रति अपने व्यवहार को सुनिश्चित रखें। आपको किससे संतुष्टि होती है। अपने काम को ईमानदारी से करें यही खुशी का रहस्य है।
- यह दुनिया आपकी नहीं है न ही आप इस दुनिया के हो फिर अपनी खुशियों को दूसरों में क्यों दूँद रहे हो?
- हमेशा सच्चाई बोलिए तो आपको लाभ होगा किसी को दुख देने वाली वाणी का त्याग करें।
- संसार के सभी पदार्थों का अव्यक्ता से आरंभ होता है। जो विचार हमारे भीतर आते हैं उन्हें यह अव्यक्ता अपने काबू में करके नाश कर देती है। तो फिर हमें क्या अवश्यकता है कुछ अधिक विचार करने की।
- खुशी से जीना हो तो अपनी इच्छाओं का नाश कर दो।
- कर्म आपकी काबलियत को दर्शाते हैं।
- खुशी आपके अंदर है यह हमारे दिमाग की एक सोच है यह बाहरी दुनिया में नहीं मिलेगी।

शनि की साढ़ें साती से सारे लोग डरते हैं और यही कामना करते हैं उनके ऊपर कभी भी शनि की साढ़ें साती न रहे। शनि न्याय के देवता है। शनि मेहनती और ईमानदार लोगों पर जल्दी कृपा बरसाते हैं। ज्योतिष गणना के अनुसार शनि किसी भी व्यक्ति के जीवन काल में एक से लेकर दो बार शनि की साढ़ें, साती जरूर आती है। शनि की साढ़ें, साती होने पर उस राशि पर साढ़ें, सात साल तक प्रभाव जरूर रहता है।

एक राशि में ढाई साल तक रहते हैं शनि

शनिदेव एक राशि से दूसरी राशि में जाने के लिए करीब ढाई वर्ष का समय लेते हैं। ज्योतिष के अनुसार शनि जिस भी राशि में होता है, उसका प्रभाव उस राशि पर तो रहता ही है, साथ ही राशिचक्र में पहले और बाद की राशि पर पड़ने से शनि की अवधि कुल मिलाकर साढ़ें, सात वर्ष तक होती है। इसलिए, इस अवधि को शनि की साढ़ें, साती के नाम से पुकारा जाता है।

साल 2020 में शनि

जैसे कि 24 जनवरी 2020 से शनि मकर राशि में भ्रमण करेंगे। ऐसे में उसके पहले की राशि यानी धनु में शनि की साढ़ें, साती का अंतिम चरण, मकर राशि पर दूसरा चरण और कुंभ राशि पर शनि की साढ़ें,साती का पहला चरण शुरू हो जाएगा। दूसरा चरण जातक के लिए सबसे कष्टदायी समझा जाता है। ऐसे में मकर राशि के लोग इस शनि के इस घेरे में आएंगेमकर राशि पर शनि की साढ़ें,साती के दूसरे चरण का असर शनि की साढ़ें साती का दूसरा चरण सबसे घातक माना गया है। जिस किसी के ऊपर ये चरण रहता है उसके जीवन में उसको तमाम तरह की परेशानियां आती हैं। साढ़ें साती के तीसरे चरण में व्यक्ति को सुख- सुविधाओं का लाभ नहीं मिलता। आमदनी कम होती है और खर्च ज्यादा खर्च होते हैं। संहत से जुड़ी परेशानियों का



शनि की साढ़ें साती, लोगों के जीवन पर डालता है बुरा प्रभाव

सामना करना पड़ता है। वाद-विवाद के योग बनते हैं। 24 जनवरी 2020 को शनि के मकर राशि में प्रवेश करते ही वृश्चिक राशि से शनि की साढ़ें साती उतर जाएगी। वहीं कुंभ राशि पर से अगले 5 साल तक शनि की साढ़ें साती चढ़ जाएगी। शनि ग्रह जब भी किसी राशि पर ढाई साल के बाद आते हैं तो शनि जिस भी राशि में होता है, उसका असर राशि चक्र के पहले और बाद की राशि पर पड़ने से शनि की अवधि कुल मिलाकर साढ़ें सात वर्ष तक होती है। 24 जनवरी को होने वाले शनि परिवर्तन का वृश्चिक राशि पर कैसा प्रभाव पड़ेगा आइए इसका विश्लेषण करते हैं।

वृश्चिक राशि पर शनि की साढ़ें साती 2020

शनि के मकर राशि में गोचर से इस साल वृश्चिक राशि वालों के ऊपर से पिछले कई साल से चल रही शनि की साढ़ें,साती उतर जाएगी। इस कारण से इनके लिए साल सुखद और लाभकारी रहेगा।

कार्यक्षेत्र पर शनि गोचर 2020 का प्रभाव

वृश्चिक राशि से शनि की साढ़ें,साती उतर जाने की वजह से इस राशि के जातकों के लिए साल 2020 अच्छा गुजरेगा। नौकरी के लिहाज से शुभ संकेत है। सरकारी नौकरी की लालसा करने वाले जातकों के

लिए यह साल अच्छा रहेगा। वहीं प्राइवेट नौकरी करने वाले लोगों को तरकी मिलने की पूरी संभावना है। बिजनेस के नजरिए से इस राशि के जातकों लिए साल शुभ और मुनाफा दिलाने वाला रहेगा। किसी नए बिजनेस प्लान के बारे में बनाई गई रणनीति सफल रहेगी। उधार देने से बचें और शत्रुओं से सावधान रहने की जरूरत है।

परिवार और लव लाइफ पर असर

प्रेम के मामले में आपके लिए यह साल मिलाजुला रहेगा। पार्टनर के साथ अच्छा व्यवहार करें। विवाहित जातकों के लिए बहुत ही खुशियों और प्रेम करने वाले साल रहेगा।



साई विचार

उपलब्ध खाद्य पदार्थों में बदलाव चाहता है जिससे उनमें निहित जीवन के बहुत सार अंत को प्राप्त होते हैं।

मनुष्य अनुभव के माध्यम से सीखता है, और आध्यात्मिक पथ विभिन्न प्रकार के अनुभवों से भरा है। उसे कई कठिनाइयों और बाधाओं का सामना करना होगा, और वे सारे अनुभव जो उसे प्रोत्साहित करने और सफाई की प्रक्रिया पूरा करने लिए जरूरी हैं।

मनुष्य खो गया है और एक जंगल में भटक रहा है जहाँ वास्तविक मृत्यों का कोई अर्थ नहीं है। वास्तविक मृत्यों का मनुष्य के लिए तभी अर्थ हो सकता है जब वह आध्यात्मिक पथ पर कदम बढ़ाये। यह एक ऐसा पथ है जहाँ नकारात्मक भावनाओं का कोई उपयोग नहीं।

मनुष्य अपने स्वाद की तुल्य के लिए प्रकृति में



